



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 09 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1355 घंटे

- विषय: (i) इस हफ्ते पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
(ii) अगले दो दिनों में पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।
(iii) 13 अगस्त, 2026 के आसपास उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश के तटों पर कम दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से, 13 अगस्त, 2026 से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश की गतिविधि बढ़ने की बहुत संभावना है।

आज, 09 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, असम, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून गर्त का पश्चिमी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- ❖ कल दक्षिण गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 09 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे छत्तीसगढ़ के ऊपर स्थित था।
- ❖ एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर लगभग 64°E देशांतर के साथ और 29°N अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ़ के रूप में स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर मध्य असम के ऊपर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के ऊपर हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ 11 अगस्त, 2026 के आसपास उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश के तटों पर एक नया चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके असर से, 13 अगस्त, 2026 के आसपास उसी क्षेत्र में कम दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल में उत्तर-पूर्वी राजस्थान और आसपास के इलाकों में बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण अब कमजोर पड़ गया है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 9 से 15 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।

- ❖ पंजाब में 10-11 अगस्त और 13-14 अगस्त के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 10-11 अगस्त और 13 अगस्त को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13-14 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 9-13 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 9 से 15 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 9-10 अगस्त और 12-15 अगस्त के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 12-15 अगस्त के दौरान; उत्तराखंड में 11-15 अगस्त के दौरान; पंजाब में 9-10 अगस्त और 13 अगस्त को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 10-11 अगस्त और 13 अगस्त को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 अगस्त और 13-14 अगस्त के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-10 अगस्त और 13-14 अगस्त के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 11-12 अगस्त के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 9 अगस्त और 12-13 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 11 अगस्त को; पूर्वी राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में 10-11 अगस्त के दौरान; उत्तराखंड में 9-10 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 9-11 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है; छत्तीसगढ़ में 9-10 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान।
- ❖ मध्य भारत में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ विदर्भ में 9-10 अगस्त और छत्तीसगढ़ में 9-13 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 11 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 10-11 अगस्त; विदर्भ में 10 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 10 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 9-10 अगस्त; छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 9 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9-15 अगस्त के दौरान; बिहार में 13-15 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 9-10 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी भारत में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 अगस्त और 14-15 अगस्त के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 12-14 अगस्त के दौरान; झारखंड में 13 अगस्त; बिहार में 10 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 9-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 9-11 अगस्त; असम और मेघालय में 10-11 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 11 अगस्त और 14-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 12-15 अगस्त; असम और मेघालय में 9 अगस्त और 12-15 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 9-10 अगस्त और 12-13 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 9-13 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 9 अगस्त और 12-13 अगस्त; असम और मेघालय में 10-13 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 10 अगस्त और 12-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 14-15 अगस्त; असम और मेघालय में 9 अगस्त और 14-15 अगस्त; नागालैंड में 9 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 9-15 अगस्त; गुजरात क्षेत्र में 10-12 अगस्त के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में 9-15 अगस्त; गुजरात क्षेत्र में 9 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 9-10 अगस्त; गुजरात क्षेत्र में 9-12 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 9 अगस्त; गुजरात क्षेत्र में 11 अगस्त को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 9-15 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है; 10-15 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 9-15 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है; 9 अगस्त को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी ऐसी बारिश हो सकती है।
- ❖ 9-10 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 9-13 अगस्त के दौरान रायलसीमा और तेलंगाना में भी ऐसी स्थिति हो सकती है, साथ ही 9-10 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 9-13 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 9 अगस्त को तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 9-10 अगस्त के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है; 9-13 अगस्त के दौरान रायलसीमा और तेलंगाना में भी ऐसी हवाएं चल सकती हैं।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 14 अगस्त तक सोमालिया और ओमान के तटों के साथ और उनसे दूर, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 9 अगस्त को पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में और 10 से 14 अगस्त के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और उससे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 11 अगस्त तक कर्नाटक, केरल के तटों के साथ और उनसे दूर, लक्षद्वीप क्षेत्र से सटे समुद्री इलाकों में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 14 अगस्त तक अंडमान सागर के ऊपर; दक्षिण श्रीलंका के तटों और कोमोरिन इलाके से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 11 अगस्त तक और 12 से 14 अगस्त के दौरान।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

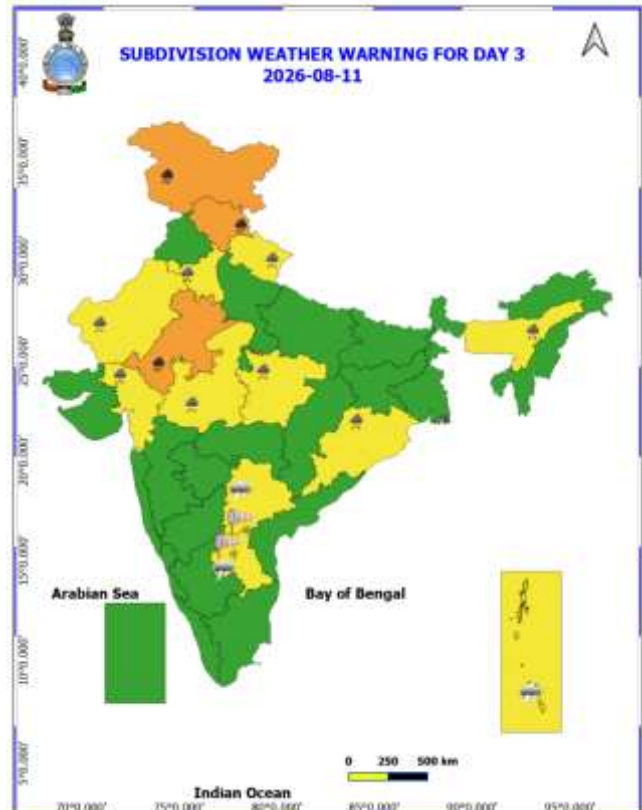
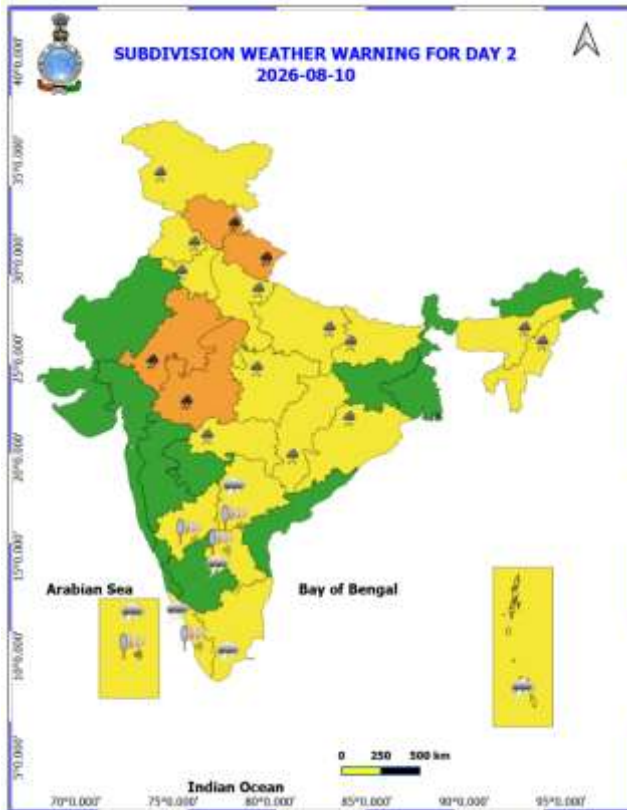
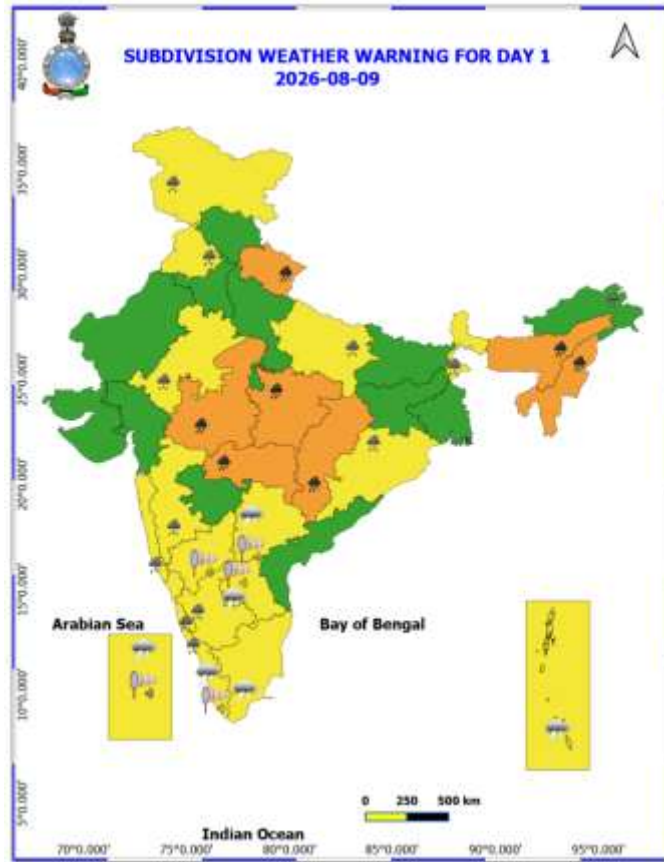
- ❖ छत्तीसगढ़: मुंगेली 16
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बजाग (डिंडोरी) 15
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: उदयपुरा (रायसेन) 14

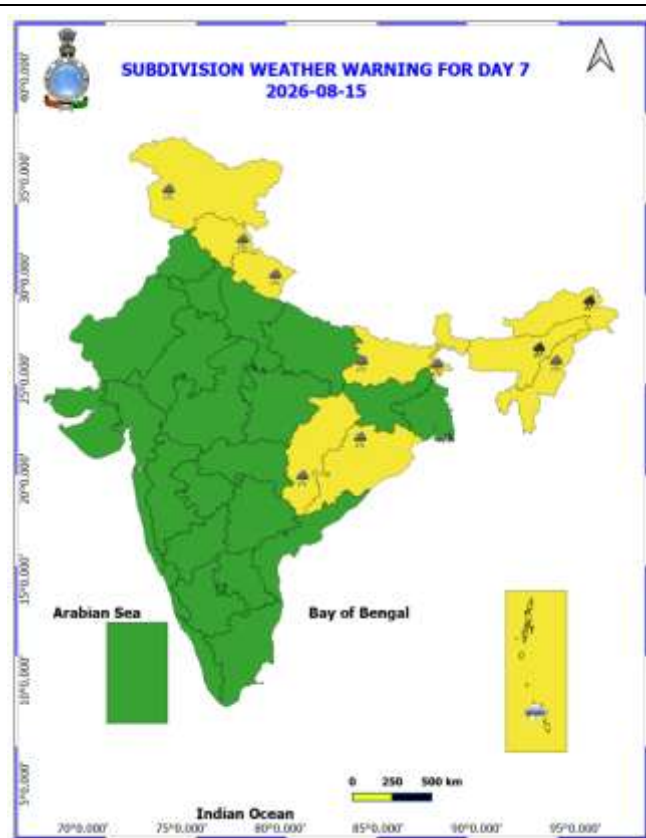
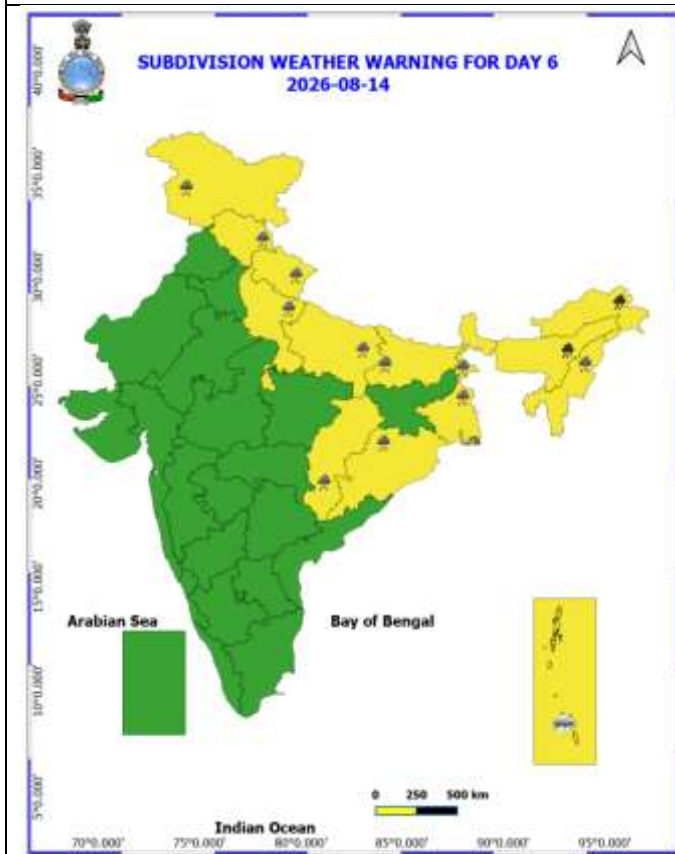
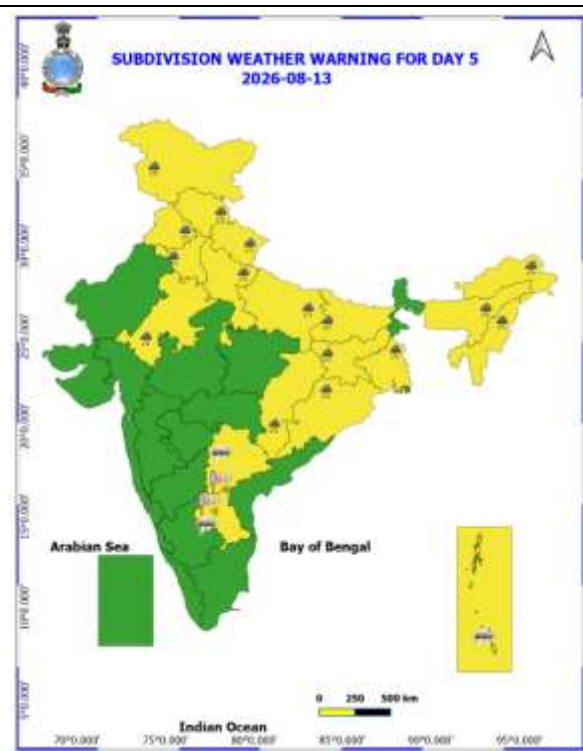
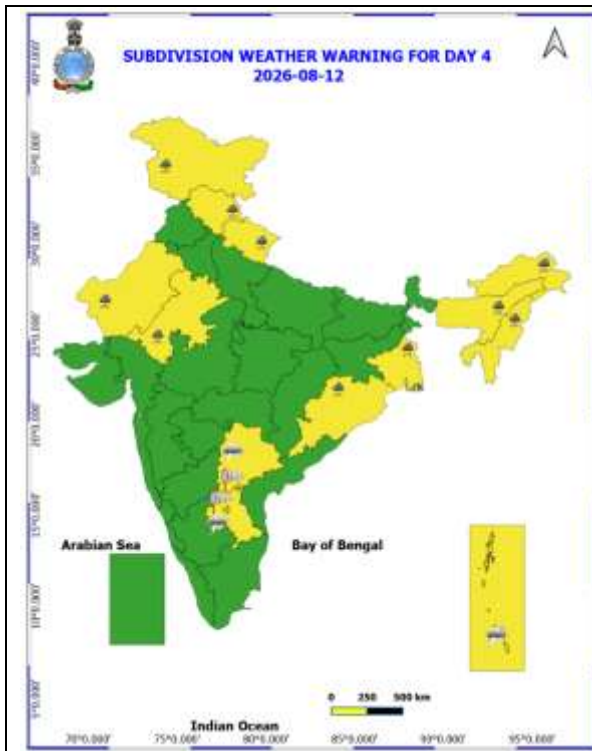
- ❖ उत्तराखंड: लोहारखेत 14
- ❖ ओडिशा: बोलांगीर 13
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: बागडोगरा 11
- ❖ असम: रौता 8
- ❖ पूर्वी राजस्थान: किशनगढ़वास सीनियर (अलवर) 7
- ❖ बिहार: औरंगाबाद 7
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी मुलशी (पुणे) 7
- ❖ केरल: मायलाडुम्पारा (इडुक्की जिला) 7
- ❖ क्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 9।

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	9- Aug	10- Aug	11- Aug	12- Aug	13- Aug	14- Aug	15- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WFS	WFS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WFS	WFS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WFS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WFS	FWS	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	WFS	WFS	WFS	WFS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	WFS	WFS	WFS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS	WFS	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WFS	WFS	FWS	FWS	WFS	WFS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WFS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WFS	WFS	SCT	WFS	WFS	WFS	WFS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WFS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WFS	WFS	WFS	FWS	WFS	WFS	WFS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

09 अगस्त से 12 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $2-5^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $29-33^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-27^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसके झोंके 30 किमी/घंटा तक पहुंचे। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

09.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

10.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 12 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

11.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम/रात के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में भी ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

12.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 12 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की रफ्तार कम होकर 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय ज़मीन के पास हवा की रफ्तार बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 11 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 10-11 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में; 9-10 अगस्त के दौरान उत्तराखंड और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 9 अगस्त को छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; 14-15 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 9 अगस्त और 14-15 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में; और 9 अगस्त को नागालैंड में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ असम में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए खेतों में पानी निकासी के रास्ते साफ़ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी की व्यवस्था करें।
- ❖ मेघालय में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। पानी निकासी के रास्ते तुरंत खोलें और केले व भारी फलों वाली अन्य फसलों को सहारा दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, पानी जमा होने से बचाने के लिए सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। केले और अन्य नाजुक फसलों को बांस का सहारा दें और धान व मूंगफली के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा न होने दें।
- ❖ उत्तराखंड में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, गन्ना, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, तिल, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), मडुआ (फिंगर मिलेट), टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें। जहां खेत की स्थिति ठीक हो, वहां तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, जहां संभव हो मटर की फलियों और सब्जियों (टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन आदि) की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें। अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए धान, मक्का, मडुआ, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों तथा सेब और नाशपाती के बागों में पानी की सही निकासी की व्यवस्था करें।

- ❖ मध्य प्रदेश में, पानी जमा होने से बचाने के लिए सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, तिल, ज्वार और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें। खेत की स्थिति ठीक होने तक बुवाई, खेती से जुड़े अन्य काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, महुआ, कुटकी (लिटिल मिलेट), कोदो और सब्जियों के खेतों, खासकर निचले इलाकों में, पानी की सही निकासी बनाए रखें। खेत के काम टाल दें और जहां जरूरत हो, वहां सब्जियों और फलों की फसलों को सहारा दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और महुआ के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ राजस्थान में, पहले से बोई गई बाजरा, मूंग, तिल, मोठ, ग्वार, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ❖ ओडिशा में, धान की नर्सरी और खरीफ फसलों (जैसे मक्का, दालें - मूंग, उड़द, अरहर; तिलहन - मूंगफली, तिल; कपास, सब्जियां और फलों के बाग) के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का अच्छा इंतजाम करें।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें और खेतों व बागों से अतिरिक्त बारिश का पानी तुरंत निकाल दें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, अरहर, मक्का, मूंगफली, तिल, धान, सब्जियों और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें, खासकर उन निचले इलाकों में जहाँ पानी जमा होने का खतरा रहता है।
- ❖ बिहार में, खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए सही इंतजाम करें और खाद व कीटनाशकों का इस्तेमाल कुछ समय के लिए टाल दें।
- ❖ झारखंड में, धान, रागी, मक्का, टमाटर की नर्सरी और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। खेती से जुड़े अन्य कामों (जैसे निराई-गुड़ाई) को टाल दें और पक्का करें कि खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकल जाए।
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान की नर्सरी और धान, अदरक, टमाटर, मिर्च, डल्ले खोरसानी, रागी व फलों के बागों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। धान की रोपाई वाले खेतों में सीढ़ीदार मेड़ों को मज़बूत करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

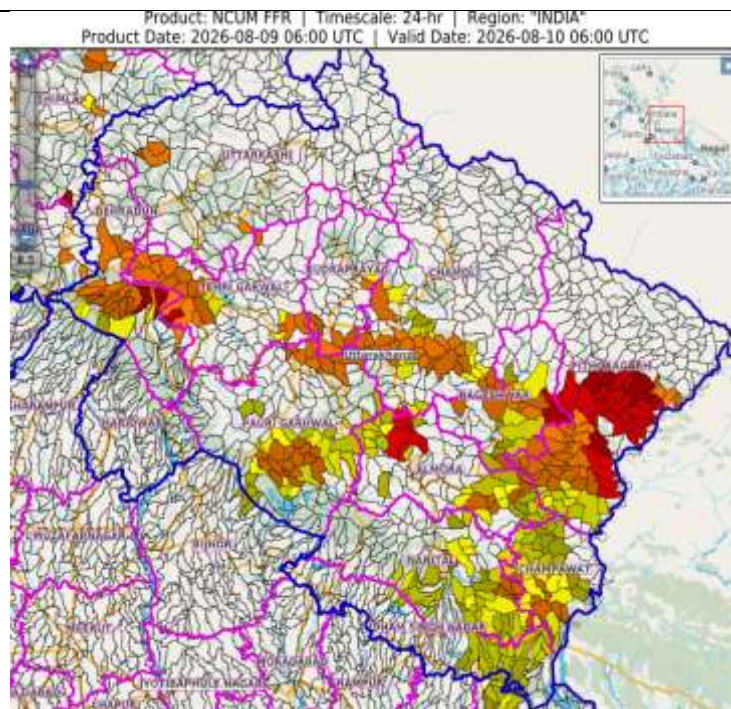
आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

10-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल पौड़ी, गढ़वाल टिहरी, हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी का बहाव (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) हो सकता है।



10-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के खतरे (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश - अंजाव, दिबांग वैली, कुरुंग कुमे, पूर्वी कामेंग जिले।

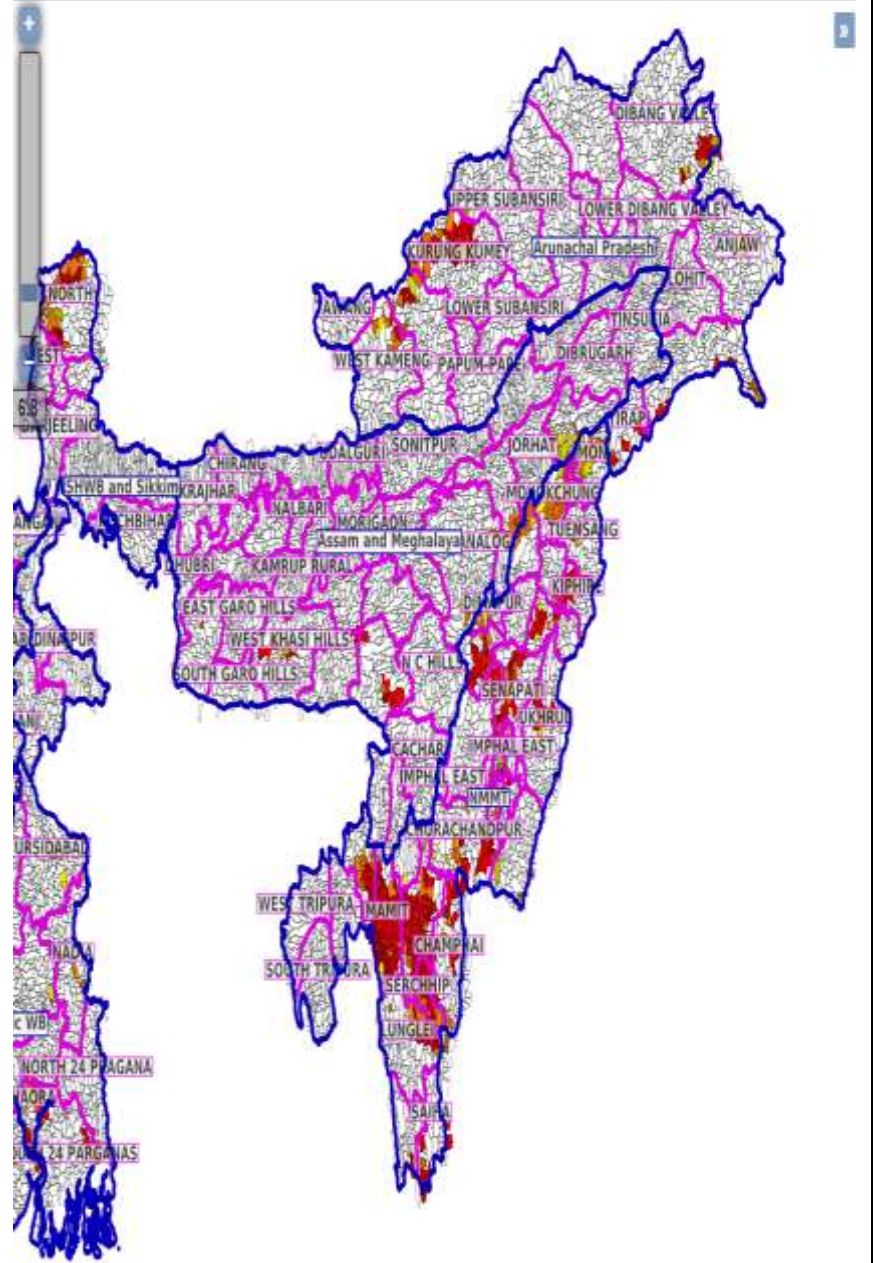
असम और मेघालय - दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स, दक्षिण-पश्चिम खासी हिल्स, पश्चिम गारो हिल्स और पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले।

नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा (NMMT) - बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, सेनापति, आइजोल, लुंगलेई, मामित, किफायर, कोहिमा, मोकोकचुंग, मोन, फेक, वोखा जिले।

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - उत्तरी सिक्किम, दक्षिणी सिक्किम जिले।

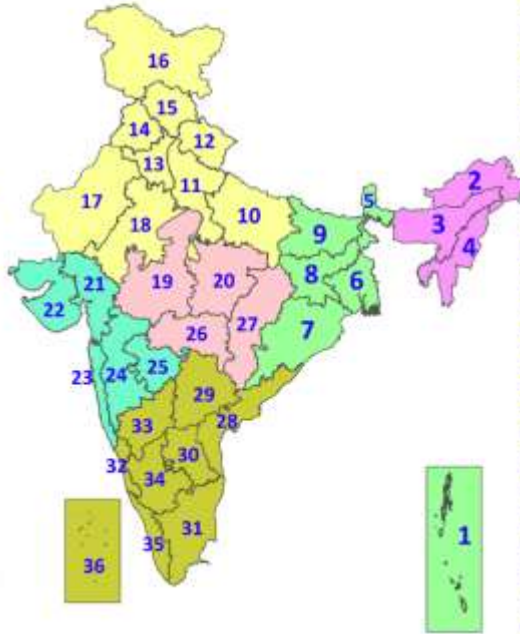
अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।

Product: NCUM FFR | Timescale: 24-hr | Region: "INDIA"
Product Date: 2026-08-09 06:00 UTC | Valid Date: 2026-08-10 06:00 UTC



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)